B-384
L-12
Internal Security

भारत- म्याँमार सीमावर्ती क्षेत्र में सुरक्षा चुनौतियाँ :-

- भारत की नृजातीय विविधता एवं पड़ोसी देशों के साथ नृजातीय समरूपता फलत! राष्ट्रवाद कमजोर।
- भारत- म्याँमार सीमा की विशेष भौगोलिक एवं नृजातीय स्थिति फलत! कबीलीयाई संघर्ष, नृजातीय संघर्ष, अलगाववाद एवं उग्रवाद की समस्या।
- हथियार एवं मादक पदार्थों की तस्करी की समस्या।
- दुरूह, पहाड़ी, पूर्णत! खुली एवं छिद्रिल सीमा, सीमापारीय नृजातीय संबंध एवं सीमावर्ती क्षेत्र की जनजातियों को बिना वीजा एक दूसरे देशों में 16 km. तक आने - जाने की छूट फलत! सीमा की

निगरानी कठिन एवं घुसपैठ आसान।

- रोहिंग्या मुस्लिमों के घुसपैठ की समस्या।
- चीन की म्याँमार में उपस्थिति में वृद्धि।
- फरवरी २०२१ में म्याँमार में तख्तापलट एवं गृहयुद्ध से उत्पन्न चुनौतियाँ।

सुरक्षा प्रबंधन →

- असम राइफल्स की ४६ बटालियन, सीमा चौकी एवं बाड़बंदी।
- सीमावर्ती क्षेत्र में उग्रवाद / अलगाववाद को रोकने हेतु किये गये प्रयास।
- तस्करी नियंत्रण हेतु प्रयास।

कूटनीतिक प्रबंधन →

↓

PDF Notes.

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR